भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 391 का उत्तर

मानसून के मौसम के दौरान त्रुटिहीन सुरक्षा

391. श्री प्रदीप कुमार सिंह:

श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मानसून के मौसम के दौरान त्रुटिहीन सुरक्षा बनाए रखने के लिए रेल पुलों और पटरियों की कड़ी निगरानी हेतु कोई योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और रेल पटरियों को जलभराव से मुक्त रखने और वर्षा के दौरान सिगनल प्रणाली को अप्रभावित रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) सभी संवेदनशील स्थानों, विशेषकर सोनीपत, जींद और प्रतिदिन भारी यात्री संख्या वाले रेल मार्गों में सिगनल प्रणाली का समुचित प्रचालन सुनिश्चित करने के लिए गश्त बढ़ाने हेतु क्या विशेष उपाय किए जा रहे हैं/किए जाने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

मानसून के मौसम के दौरान त्रुटिहीन सुरक्षा के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री प्रदीप कुमार सिंह तथा श्री सतपाल ब्रह्मचारी के अतारांकित प्रश्न सं. 391 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ) भारतीय रेल पर रेल पुलों और पटरियों के निरीक्षण की एक स्थापित प्रणाली है। रेलपथों का निरीक्षण नामित अधिकारियों द्वारा विनिर्दिष्ट अंतराल पर किया जाता है। नियमित अनुरक्षण के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अलावा मानसून के दौरान सिगनल प्रणाली के समुचित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाते हैं:-

(i) यार्ड की नालियों की सफाई करके यार्ड में जल निकासी व्यवस्था में सुधार किया जाना।

(ii) रेलपथ परिपथन की विफलता के लिए इंगित किए गए संवेदनशील स्थानों पर पहले से ही ध्यान दिया जाता है।

(iii) रेलपथ और सिगनलिंग अधिकारियों द्वारा पॉइंट्स और ट्रैक सर्किट का संयुक्त निरीक्षण किया जाता है और सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

(iv) जलभराव के लिए संवेदनशील चिह्नित किए गए क्षेत्रों में एक्सल काउंटर प्रदान किया जाता है।

मानसून के दौरान चिह्नित खंडों पर मानसून गश्त की शुरूआत, संवेदनशील स्थलों पर चौकीदारों की तैनाती, भारी वर्षा की स्थिति में रेलपथ पर विशिष्ट गश्त जैसी विशेष सावधानियाँ बरती जाती हैं। मौसम की अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्रों और जलाशयों/बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ने के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु जिला प्राधिकारियों के साथ समन्वय किया जाता है।

*****